

06/01/21

पञ्जावली पेश घुई साभें 5.00 बजे तक
बार-बार आवाज दिवई जायी वाकी
असालतन व कालतन अनुपास्थित ह्य
अतः वाकी का वाद अफम हाजरी
अफम पेशी के खासियत डिमा जाता ह्य
पञ्जावली ज्येष्ठतम सुमार होकर दई नम्बर
से कम हो तथा वास्तविक दफ्तर ह्य।



